

असाधाररा EXTRAGROINARY

भाग I—खण्ड 1 PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 31] नई बिल्ली, मंगलवार, फरवरी 17, 1987/माघ 28, 1908 No. 31] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 17, 1987/MAGHA 28, 1998

इस भाग में निम्न एव्ट संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन की क्र भे रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग)

नई विल्ली, 16 फरनरी, 1987

संकल्प

सं. सी. ओ./एम. डी./एच-41/87:—भारत सरकार का निर्णय है कि प्रत्येक वर्ष 28 फरवरी को "राष्ट्रीय विज्ञान दिवस" के क्र्प में मनाया जाये ताकि राष्ट्रीय विकास में विज्ञान के महत्व की ओर ग्रन्य लोगों का ध्यान केन्द्रित किया जा सके और उनमें वैज्ञानिक मनोवृत्ति का समावेश किया जा सके।

2. "रमन ऐफेक्ट" के नाम से जो सिद्धान्त जाना जाता है उसकी खोज स्वर्गीय प्रो. सर सी. बी. रमन द्वारा 28 फरवरी, 1928 को की गयी थी। उनकी इस खोज पर उन्हें भौतिकी में 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह विशेष सम्मान केवल प्रो. रमन को ही प्राप्त नहीं हुआ ग्रापितु सम्पूर्ण देश को प्राप्त हुआ।

डी. बी. सहगल, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

(Department of Science & Technology)

New Delhi, the 16th February, 1987

## RESOLUTION

No. CO|MD|H-41|87.—The Government of India have resolved to celebrate every year 28th February as the National Science Day so as to focus the attention of the public to the importance of science in the national development and includate scientific temper among the masses.

2. The phenomenon known as "Raman Effect" was discovered on February 28, 1928 by late Prof. Sir C. V. Raman. In honour of his discovery, Prof. Raman was awarded the Nobel Prize in physics in 1930. This was a singular honour not only to Prof. Raman, but to the entire country.

D. B. SEHGAL, Jt. Secy.